संत फ्रांसिस जेवियर की याद में मिस्सा

संत फ्रांसिस जेवियर के आदर्शों पर चलने का प्रयास करें : डॉ. जोसफ

रांची | जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) ने मंगलवार को अपने संरक्षक संत फ्रांसिस जेवियर एसजे. का पर्व मनाया। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने मिस्सा समारोह में भाग लिया और अपने संरक्षक संत से आशीर्वाद प्राप्त किया। भारत के प्रेरित संरक्षक के रूप में संत फ्रांसिस जेवियर 1542 में भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक निःस्वार्थ रूप से परमेश्वर का वचन फैलाने के लिए काम किया। समारोह का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ. जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे. ने किया। उन्होंने कहा कि संत फ्रांसिस जेवियर ने हमेशा समाज की सेवा को चुना और हमें भी उनके आदर्शों का पालन करते हुए सही निर्णय लेने का प्रयास करना चाहिए। सहायक निदेशक डॉ. प्रदीप केरकेट्टा एसजे. ने फादर अशोक कंडुलना और फादर निकोलस बारला के साथ प्रार्थना की अगुवाई की। उन्होंने संत फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने का हर संभव प्रयास करने को कहा। इस अवसर पर एक्सआईएसएस परिवार ने केक कटिंग समारोह का भी आयोजन कर फीस्ट डे मनाया।

PRESS:DAINIK BHASKAR

एक्सआइएसएस में मना संत फ्रांसिस जेवियर का पर्वः एक्सअइएसएस रांची में मंगलवार को संस्थान के संरक्षक संत फ्रांसिस जेवियर एसजे का पर्व मनाया. इस अवसर पर पवित्र यूख्रिस्त समारोह का आयोजन हुआ. मौके पर निदेशक फादर डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर, सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, फादर अशोक कंडुलना, फादर निकोलस बारला समेत अन्य उपस्थित थे.

PRESS:PRABHAT KHABAR

जेवियर के जीवन को किया याद

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस में मंगलवार को संत फ्रांसिस जेवियर का पर्व मनाया गया। कहा गया कि भारत के प्रेरित संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध संत फ्रांसिस जेवियर 1542 में भारत आए। 10 वर्ष तक परमेश्वर का वचन फैलाने के लिए कार्य किया। उनका ताबूत गोवा के बॉम जीसस बेसिलिका में सुरक्षित है।

संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे ने संचालन किया। सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा ने फादर अशोक कंडुलना, फादर निकोलस बारला के साथ प्रार्थना में समुदाय का नेतृत्व किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी को पवित्र यूख्रीस्त दिया गया।

PRESS:HINDUSTAN

एक्सआईएसएस में संत फ्रांसिस जेवियर की याद में फीस्ट डे पर्व आयोजित

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने मंगलवार को अपने संरक्षक संत फ्रांसिस जेवियर एसजे का पर्व मनाया। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने पवित्र यूखारिस्ट समारोह में भाग लिया और अपने संरक्षक संत से आशीर्वाद प्राप्त किया, जिन्होंने अपने छोटे लेकिन प्रेरणादायक जीवनकाल में अनेक लोगों के जीवन को छुआ। भारत के प्रेरित संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध संत फ्रांसिस जेवियर 1542 में भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक निःस्वार्थ रूप से परमेश्वर का वचन फैलाने के लिए कार्य किया। उनका ताबूत गोवा के बॉम जीसस बेसिलिका में सुरक्षित है। समारोह का संचालन संस्थान के निदेशक डा. जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे ने किया।

PRESS:SANMARG

एक्सआईएसएस में संत फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व आयोजित

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची, ने मंगलवार को अपने संरक्षक संत फ्रांसिस जेवियर एसजे का पर्व मनाया। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने पवित्र यूखारिस्ट समारोह में भाग लिया और अपने संरक्षक संत से आशीर्वाद प्राप्त किया, जिन्होंने अपने छोटे लेकिन प्रेरणादायक जीवनकाल में अनेक लोगों के जीवन को छुआ। भारत के प्रेरित संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध संत फ्रांसिस जेवियर 1542 में भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक निःस्वार्थ रूप से परमेश्वर का वचन फैलाने के लिए कार्य किया। उनका ताबूत गोवा के बॉम जीसस बेसिलिका में सुरक्षित है। समारोह का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे ने किया। श्रद्धांजलि स्वरूप उन्होंने सुसमाचार पर विचार करते हुए कहा, ₹मनुष्य को यदि सारा संसार प्राप्त हो जाए लेकिन अपनी आत्मा खो दे तो उसे क्या लाभ होगा?₹ उन्होंने यह भी कहा कि संत फ्रांसिस जेवियर ने हमेशा समाज की सेवा को चुना और हमें भी उनके

आदर्शों का पालन करते हुए सही निर्णय लेने का प्रयास करना चाहिए। डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एसआईएसएस, ने फादर अशोक कंडुलना और फादर निकोलस बारला के साथ प्रार्थना में समुदाय का नेतृत्व किया और यह दोहराया कि हमें संत फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। मास के दौरान बाइबल से पहला और दूसरा पाठ पढ़ा गया और निदेशक ने संक्षिप्त प्रवचन दिया। उन्होंने पूरे संस्थान परिवार के कुशल-क्षेम के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन सभी कैथोलिक सदस्यों को पवित्र यूखारिस्ट वितरित कर किया गया।

PRESS:FREEDOM FIGHTER

एक्सआईएसएस में फीस्ट डे पर्व आयोजित

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची, ने मंगलवार को अपने संरक्षक संत फ्रांसिस जेवियर एसजे का पर्व मनाया। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने पवित्र यूखारिस्ट समारोह में भाग लिया और अपने संरक्षक संत से आशीर्वाद प्राप्त किया, जिन्होंने अपने छोटे लेकिन प्रेरणादायक जीवनकाल में अनेक लोगों के जीवन को छुआ। भारत के प्रेरित संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध संत फ्रांसिस जेवियर 1542 में भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक निःस्वार्थ रूप से परमेश्वर का वचन फैलाने के लिए कार्य किया। उनका ताबूत गोवा के बॉम जीसस बेसिलिका में सुरक्षित है।

PRESS:PUNCH

BREAKING NEWS | LATEST NEWS | कैंपस | झारखण्ड

सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व आयोजित

December 3, 2024 Lens Eye News Comment(0)

राची, झारखण्ड | दिसम्बर | 03, 2024 ::

ज़ेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची, ने मंगलवार को अपने संरक्षक संत फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे का पर्व मनाया। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने पवित्र यूखारिस्ट समारोह में भाग लिया और अपने संरक्षक संत से आशीर्वाद प्राप्त किया, जिन्होंने अपने छोटे लेकिन प्रेरणादायक जीवनकाल में अनेक लोगों के जीवन को छुआ।

भारत के प्रेरित संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध संत फ्रांसिस ज़ेवियर 1542 में भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक निःस्वार्थ रूप से परमेश्वर का वचन फैलाने के लिए कार्य किया। उनका ताबूत गोवा के बॉम जीसस बेसिलिका में सुरक्षित है।

समारोह का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे ने किया। श्रद्धांजलि स्वरूप उन्होंने सुसमाचार पर विचार करते हुए कहा, “मनुष्य को यदि सारा संसार प्राप्त हो जाए लेकिन अपनी आत्मा खो दे तो उसे क्या लाभ होगा?” उन्होंने यह भी कहा कि संत फ्रांसिस ज़ेवियर ने हमेशा समाज की सेवा को चुना और हमें भी उनके आदर्शों का पालन करते हुए सही

उसे क्या लाभ होगा?" उन्होंने यह भी कहा कि संत फ्रांसिस ज़ेवियर ने हमेशा समाज की सेवा को चुना और हमें भी उनके आदर्शों का पालन करते हुए सही निर्णय लेने का प्रयास करना चाहिए।

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एसआईएसएस, ने फादर अशोक कंडुलना और फादर निकोलस बारला के साथ प्रार्थना में समुदाय का नेतृत्व किया और यह दोहराया कि हमें संत फ्रांसिस ज़ेवियर के गुणों को आत्मसात करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।

मास के दौरान बाइबल से पहला और दूसरा पाठ पढ़ा गया और निदेशक ने संक्षिप्त प्रवचन दिया। उन्होंने पूरे संस्थान परिवार के कुशल-क्षेम के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन सभी कैथोलिक सदस्यों को पवित्र यूखारिस्ट वितरित कर किया गया।

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने धन्यवाद ज्ञापन दिया, जिसमें उन्होंने गायन और नृत्य प्रस्तुति देने वाले दल और उपस्थित सभी लोगों को प्रार्थना में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर एसआईएसएस परिवार द्वारा केक कटिंग समारोह का भी आयोजन किया गया।

PRESS:LENS EYE NEWS

-----------------------News Room-----------------------

सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व आयोजित

राची, झारखण्ड | दिसम्बर | 03, 2024 ::

ज़ेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची, ने मंगलवार को अपने संरक्षक संत फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे का पर्व मनाया। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने पवित्र यूखारिस्ट समारोह में भाग लिया और अपने संरक्षक संत से आशीर्वाद प्राप्त किया, जिन्होंने अपने छोटे लेकिन प्रेरणादायक जीवनकाल में अनेक लोगों के जीवन को छुआ।

भारत के प्रेरित संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध संत फ्रांसिस ज़ेवियर 1542 में भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक निःस्वार्थ रूप से परमेश्वर का वचन फैलाने के लिए कार्य किया। उनका ताबूत गोवा के बॉम जीसस बेसिलिका में सुरक्षित है।

समारोह का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे ने किया। श्रद्धांजलि स्वरूप उन्होंने सुसमाचार पर विचार करते हुए कहा, "मनुष्य को यदि सारा संसार प्राप्त हो जाए लेकिन अपनी आत्मा खो दे तो उसे क्या लाभ होगा?" उन्होंने यह भी कहा कि संत फ्रांसिस ज़ेवियर ने हमेशा समाज की सेवा को चुना और हमें भी उनके आदर्शों का पालन करते हुए सही निर्णय लेने का प्रयास करना चाहिए।

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एसआईएसएस, ने फादर अशोक कंडुलना और फादर निकोलस बारला के साथ प्रार्थना में समुदाय का नेतृत्व किया और यह दोहराया कि हमें संत फ्रांसिस ज़ेवियर के गुणों को आत्मसात करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।

मास के दौरान बाइबल से पहला और दूसरा पाठ पढ़ा गया और निदेशक ने संक्षिप्त प्रवचन दिया। उन्होंने पूरे संस्थान परिवार के कुशल-क्षेम के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम का समापन सभी कैथोलिक सदस्यों को पवित्र यूखारिस्ट वितरित कर किया गया।

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने धन्यवाद ज्ञापन दिया, जिसमें उन्होंने गायन और नृत्य प्रस्तुति देने वाले दल और

उपस्थित सभी लोगों को प्रार्थना में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर एसआईएसएस परिवार द्वारा केक कटिंग समारोह का भी आयोजन किया गया।

PRESS:NEWSROOM